हिन्दुस्तान • रांची • शनिवार • 23 नवंबर 2013 4

इक्फाई के बीबीए, बीसीए, बीटेक और एमबीए में उद्यमिता विकास का कोर्स होगा शामिल

इक्फाई के कोर्स में उद्यमशीलता का समावेश

रांची। इक्फाई यूनिवर्सिटी ने छात्रों में उद्यमिता कौशल को विकसित करने के लिए सभी कोर्सों में उद्यमिता विकास कोर्स को शामिल करने का निर्णय लिया है। इसके लिए शुक्रवार को यूनिवर्सिटी कैंपस में शैक्षणिक परिषद की बैठक हुई। अब बीबीए, बीसीए, बीटेक और एमबीए के सभी कोर्सों में 2014-15 से इसे समावेशित किया जाएगा। उद्यमिता विकास कोर्स से छात्रों को अपना कारोबार शुरू करने में सहुलियत होगी।

डिप्लोमाधारकों को मदद

इस मौके पर डॉ बीएम सिंह ने कहा कि डिप्लोमाधारकों को आगे बीटेक की पढ़ाई जारी रखने में मदद का फैसला भी यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने लिया है। बैठक में परिषद के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

प्रभात खबर रांची, शनिवार, 23 नवंबर, 2013 www.prabhatkhabar.com 07

उद्यमशीलता विषय शामिल

इक्फाइ विवि

रांची. इक्फाइ विवि, झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने अपने छात्रों में उद्यमिता कौशल विकसित करने के लिए अपने सभी कार्यक्रमों (बीबीए,बीसीए,बीटेक व एमबीए) में उद्यमिता विकास कोर्स को शामिल करने का निर्णय लिया है. यह कोर्स सत्र 2014-15 से लागू होगा. विवि के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने बताया कि यह छात्रों को एक नौकरी की तलाश करने के बजाय अपना कारोबार शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करेगा. कुलसचिव डॉ बीएम सिंह ने कहा कि डिप्लोमा धारक को आगे बीटेक पढ़ाई जारी रखने में मदद के लिए विवि ने फैसला लिया है कि उपयुक्त डिप्लोमा धारकों को सीधे बीटेक द्वितीय वर्ष में स्वीकार किया जायेगा.

रांची.शनिवार, 23 नवंबर. 2013 web www.khabarmantra.com 6

पाठ्यक्रमों में उद्यमशीलता का समावेश

रांची। इक्फाइ विश्वविद्यालय झारखंड ने सभी कोर्स में उद्यमशीलता विषय को शामिल किया है, ताकि छात्रों का नियमित इंटरेक्शन सफल उद्यमियों के साथ होता रहे। विवि की 10वीं एकेडेमिक कौंसिल की बैठक 22 नवंबर को हुई। इसमें कुलपति प्रो आरएस राव ने बताया कि छात्रों में उद्यमिता कौशल को विकसित करने के लिए विवि ने बीबीए, बीसीए, बीटेक एवं एमबीए में उद्यमिता विकास कोर्स को शामिल करने का निर्णय लिया है। यह सत्र 2014-15 से शुरू हो जायेगा। यह छात्रों को सामर्थ्यवान बनायेगा। यदि कोई छात्र व्यवसाय नहीं भी करता है, तो यह छात्रों को किसी भी संगठन में एक उद्यमी के तरीके से काम करने में मदद करेगा।

कुलसचिव डॉ बीएम सिंह ने कहा कि डिप्लोमाधारक को आगे बीटेक पढ़ाई जारी रखने का मौका दिया जायेगा।